

## हाउसहोल्ड्स की वित्तीय आस्तियों और देयताओं के तिमाही अनुमान\*

अर्थव्यवस्था में हाउसहोल्ड सेक्टर निवल वित्तीय अधिशेष वाला क्षेत्र है। इसीलिए इस क्षेत्र की वित्तीय हालत के बारे में जल्दी-जल्दी सूचना मिलते रहना अति महत्त्वपूर्ण है ताकि भारतीय अर्थव्यवस्था का आर्थिक मूल्यांकन व्यापक रूप से किया जा सके। वर्तमान लेख में यह प्रयास किया गया है कि तिमाही आधार पर हाउसहोल्ड सेक्टर की वित्तीय आस्तियों और देयताओं के प्रारंभिक अनुमान व्यक्त किए जा सकें। इनसे प्राप्त परिणाम इस ओर संकेत करते हैं कि भारतीय हाउसहोल्ड की वित्तीय आस्तियाँ मुख्य रूप से बैंक जमा के रूप में और उसके बाद जीवन बीमा के रूप में हैं। देयताओं में भी, वाणिज्यिक बैंक क्रेडिट के सबसे बड़े स्रोत के रूप में दिखायी पड़ता है। हालांकि 2016-2017 की तीसरी तिमाही में विमुद्रीकरण के प्रभाव के चलते इस क्षेत्र के वित्तीय संविभाग में बदलाव देखने को मिला।

### I. भूमिका

किसी भी अर्थव्यवस्था को सुचारु रूप से चलाने में हाउसहोल्ड्स महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं - उत्पादन के कारकों के रूप में, उपभोक्ता के रूप में और अपनी बचतों के माध्यम से निवेश हेतु वित्तपोषण के स्रोत के रूप में। यही कारण है कि समग्र वित्तीय स्थिरता के लिहाज से हाउसहोल्ड्स की वित्तीय स्थिति अति महत्त्वपूर्ण हो जाती है। भारतीय रिजर्व बैंक (आर.बी.आई.) की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट में एक द्विवार्षिक प्रणालीगत जोखिम सर्वेक्षण होता है जिसमें समष्टिगत आर्थिक जोखिम श्रेणी के अंतर्गत हाउसहोल्ड्स द्वारा की जाने वाली वित्तीय बचतें एक महत्त्वपूर्ण चर होती हैं।

हाउसहोल्ड द्वारा की जा रही वार्षिक बचत के आंकड़े केन्द्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (सीएसओ) द्वारा "राष्ट्रीय आय, उपभोग व्यय, बचत और पूंजी निर्माण के प्रथम संशोधित पूर्वानुमान (एफआरई)" शीर्षक से जनवरी माह के अंत में प्रकाशित किए जाते हैं और आने वाले वार्षिक संस्करणों में इनका संशोधन किया जाता है। हाउसहोल्ड सेक्टर की वित्तीय

\* यह आलेख डॉ. राजीव रंजन के मार्गदर्शन में आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग के राष्ट्रीय लेखा विश्लेषण प्रभाग में कार्यरत अनुपम प्रकाश, अवधेश कुमार शुक्ला, आनंद प्रकाश एक्का और कुणाल प्रियदर्शी द्वारा तैयार किया गया है।

आस्तियों और देयताओं की सूचना भारतीय अर्थव्यवस्था में निधियों का प्रवाह लेखा<sup>1</sup> (एफओएफ) में भी उपलब्ध होती है जिसका वार्षिक प्रकाशन आरबीआई द्वारा युनाइटेड नेशन्स सिस्टम ऑफ नेशनल एकाउन्ट्स (एसएनए) 2008 की तर्ज पर "किससे किसको" आधार पर किया जाता है। एफओएफ के अनुसार, हाउसहोल्ड्स को परंपरागत रूप से एक वित्तीय अधिशेष वाला क्षेत्र समझा जाता है और आरबीआई एफओएफ द्वारा एकत्रित आंकड़ों के आधार पर अपनी वार्षिक रिपोर्टों में हाउसहोल्ड्स की वार्षिक वित्तीय बचत के प्रारंभिक पूर्वानुमान सीएसओ द्वारा जारी किए जाने के पाँच माह पूर्व ही प्रकाशित करता रहा है। इस महत्त्वपूर्ण चर पर आधारित सूचना और अधिक बार प्राप्त होने से समष्टि आर्थिक स्थितियों का आकलन अधिक बारिकी से करने में सहायता मिलेगी, विशेष रूप से विभिन्न क्षेत्रों में आपसी संबंधों एवं एक क्षेत्र की समस्याओं के अन्य क्षेत्रों पर पड़ने वाले प्रभावों को पहचानने में आसानी होगी तथा यह पता लगाया जा सकेगा कि गंभीर खतरे किस प्रकार एक क्षेत्र से निकलते हुए दूसरे क्षेत्रों तक पहुंचते हैं।

यह पहली बार है जब हाउसहोल्ड्स की वित्तीय आस्तियों और देयताओं के आंकड़े जारी किए जा रहे हैं। तिमाही आधार पर एफओएफ लेखा के समेकन की हमारी योजना को अमली जामा पहनाने की दिशा में उठाया गया यह प्रारंभिक कदम है। इस लेख में वर्ष 2015-16 की पहली तिमाही से 2017-2018 की दूसरी तिमाही तक की अवधि के लिए हाउसहोल्ड सेक्टर की वित्तीय आस्तियों और देयताओं की तिमाही आधार पर मैपिंग एफओएफ दृष्टिकोण अपनाते हुए प्रस्तुत की गई है। शेष आलेख दो भागों में बँटा हुआ है। दूसरे भाग में हाउसहोल्ड सेक्टर की कुल वित्तीय आस्तियों और देयताओं के तिमाही प्रारंभिक पूर्वानुमान पर चर्चा की गई है। भाग-III में गतिविधियों पर लिखतवार प्रकाश डाला गया है। भाग-IV में निष्कर्ष प्रस्तुत किए गए हैं। हाउसहोल्ड की वित्तीय आस्तियों और देयताओं के लिखतवार पूर्वानुमानों की तालिकाबद्ध प्रस्तुति के साथ ही प्रविधि और आंकड़ों के स्रोत की सूचना संलग्नक में दी गई है।

### II. हाउसहोल्ड्स की वित्तीय आस्तियाँ और देयताएँ

हाउसहोल्ड सेक्टर की वित्तीय आस्तियाँ मुख्यतया नकदी जमा राशि, कर्ज प्रतिभूतियों, इक्विटी, म्यूचुअल फंड यूनिट, बीमा और पेन्शन फंड तथा छोटी-छोटी बचतों के रूप में होती हैं। देयताएँ अधिकांशतः बैंकों, आवास वित्त कंपनियों

<sup>1</sup> भारतीय अर्थव्यवस्था का निधि प्रवाह लेखा : 2015-16 अगस्त 2017 के आरबीआई बुलेटिन में जारी किया गया है।

## सारणी1: हाउसहोल्ड्स की वित्तीय आस्तियां और देयताएं

(राशि ₹ बिलियन में)

	2015-16				2016-17				2017-18	
	ति1	ति2	ति3	ति4	ति1	ति2	ति3	ति4	ति1	ति2
निवल वित्तीय आस्तियां (ए-बी)	4,689.1	1,685.0	2,507.8	2,568.4	5,037.3	4,593.4	-2,812.4	6,061.3	2,289.0	3,403.9
	14.5	5.0	7.2	7.0	14.0	12.4	-7.3	14.8	5.8	8.3
ए. सकल वित्तीय आस्तियां	5,109.9	2,337.8	4,374.3	3,555.0	6,026.2	5,948.1	-4,245.7	8,912.7	2,874.9	5,578.5
	15.8	7.0	12.6	9.6	16.7	16.0	-11.0	21.8	7.3	13.6
बी. वित्तीय देयताएं	420.7	652.9	1,866.5	986.6	988.9	1,354.7	-1,433.3	2,851.4	585.9	2,174.5
	1.3	1.9	5.4	2.7	2.7	3.6	-3.7	7.0	1.5	5.3
मेमो मद:										
जीडीपी	32,416.9	33,540.9	34,749.3	36,933.2	35,984.9	37,153.5	38,502.7	40,896.1	39,297.3	40,882.9

टिप्पणी: इटैलिक में दर्शाए गए अंक जीडीपी के प्रतिशत हैं।

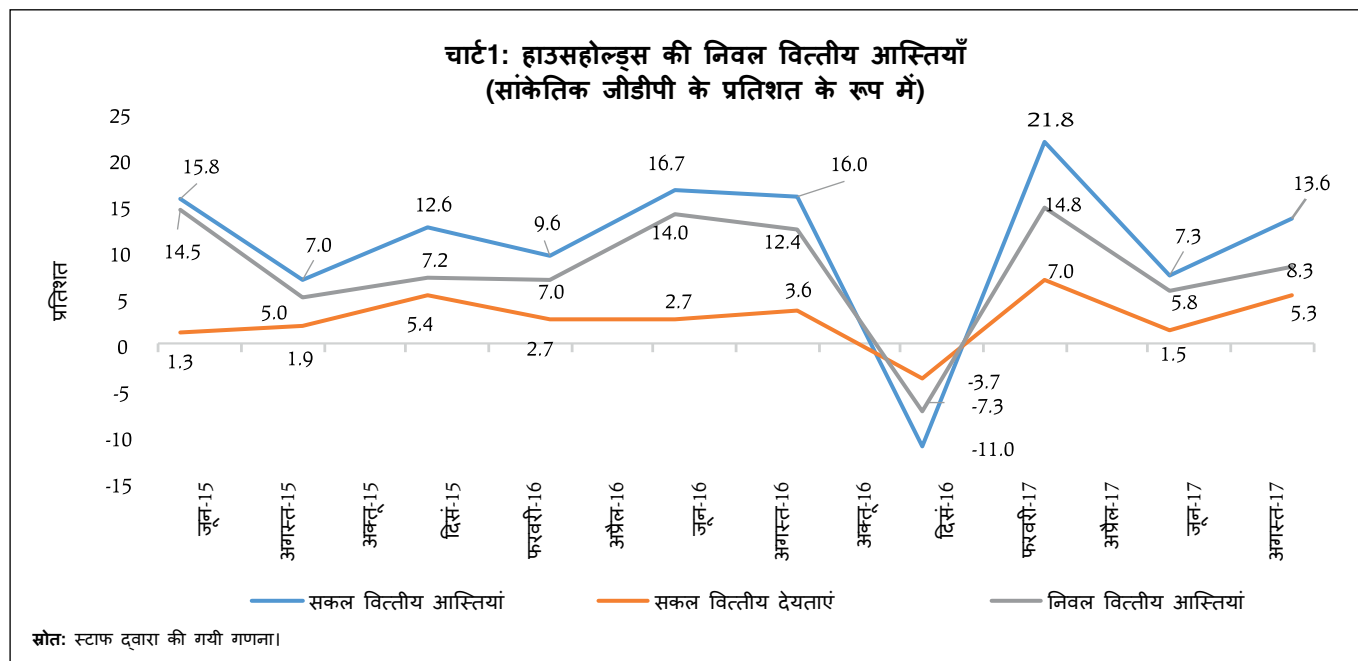
स्रोत: स्टाफ द्वारा की गयी गणना और सीएसओ

(एचएफसी) और गैर बैंकिंग वित्तीय निगमों (एनबीएफसी) से लिए गए ऋण एवं उधार होती हैं।

भारतीय हाउसहोल्ड सामान्यतया शेष अर्थव्यवस्था हेतु आर्थिक संसाधनों के निवल बचतकर्ता और आपूर्तिकर्ता होते हैं। वर्ष 2016-17 की तीसरी तिमाही में हाउसहोल्ड्स की निवल वित्तीय आस्तियाँ<sup>2</sup> यद्यपि नकारात्मक हो गईं, [सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का -7.3 प्रतिशत] जो विमुद्रीकरण<sup>3</sup> के संक्रमणकालीन प्रभाव के कारण हुआ, तथापि इसके बाद होने वाले पुनर्मुद्रीकरण के साथ ही हाउसहोल्ड सेक्टर की निवल वित्तीय आस्तियों ने फिर से करवट ली और चौथी

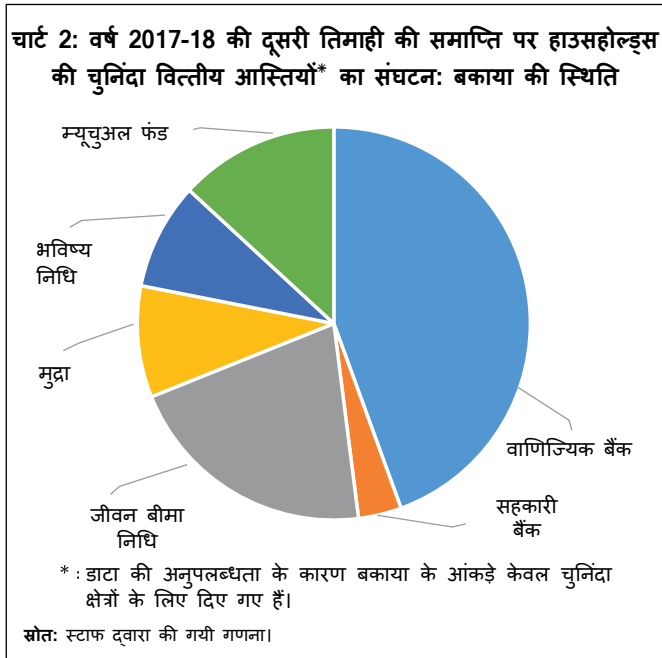
तिमाही में ये जीडीपी के 14.8 प्रतिशत तक पहुँच गईं। वर्ष 2017-18 की दूसरी तिमाही में हाउसहोल्ड्स की निवल वित्तीय आस्तियों के जीडीपी के 8.3 प्रतिशत तक पहुँच जाने का पूर्वानुमान है जो पहली तिमाही के जीडीपी के 5.8 प्रतिशत से अधिक है (सारणी 1)।

निवल वित्तीय आस्तियों की तिमाही दर में उतार-चढ़ाव अपेक्षाकृत अधिक दिखाई पड़ता है जिससे आस्ति और देयता दोनों पक्षों में विभिन्न लिखतों के प्रति हाउसहोल्ड्स की वरीयता में होने वाले परिवर्तनों की झलक मिलती है जो कि वार्षिक आकड़ों में प्रायः देखने को नहीं मिलती (चार्ट 1)



<sup>2</sup> जीडीपी के साथ-साथ तिमाही निवल वित्तीय आस्तियों में परिवर्तन के अनुपात की गणना तिमाही जीडीपी के आधार पर की जाती है। हालांकि सभी बकाया आस्तियों का अनुपात वार्षिक जीडीपी के आधार पर निकाला जाता है।

<sup>3</sup> भारत सरकार ने 8 नवंबर 2016 की अपनी अधिसूचना सं. 2652 के माध्यम से महात्मा गांधी श्रृंखला के ₹500 और ₹1000 मूल्यवर्ग के ऐसे नोटों की वैध मुद्रा प्रस्थिति को वापस ले लिया जो 08 नवंबर 2016 तक भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी किए गए थे।



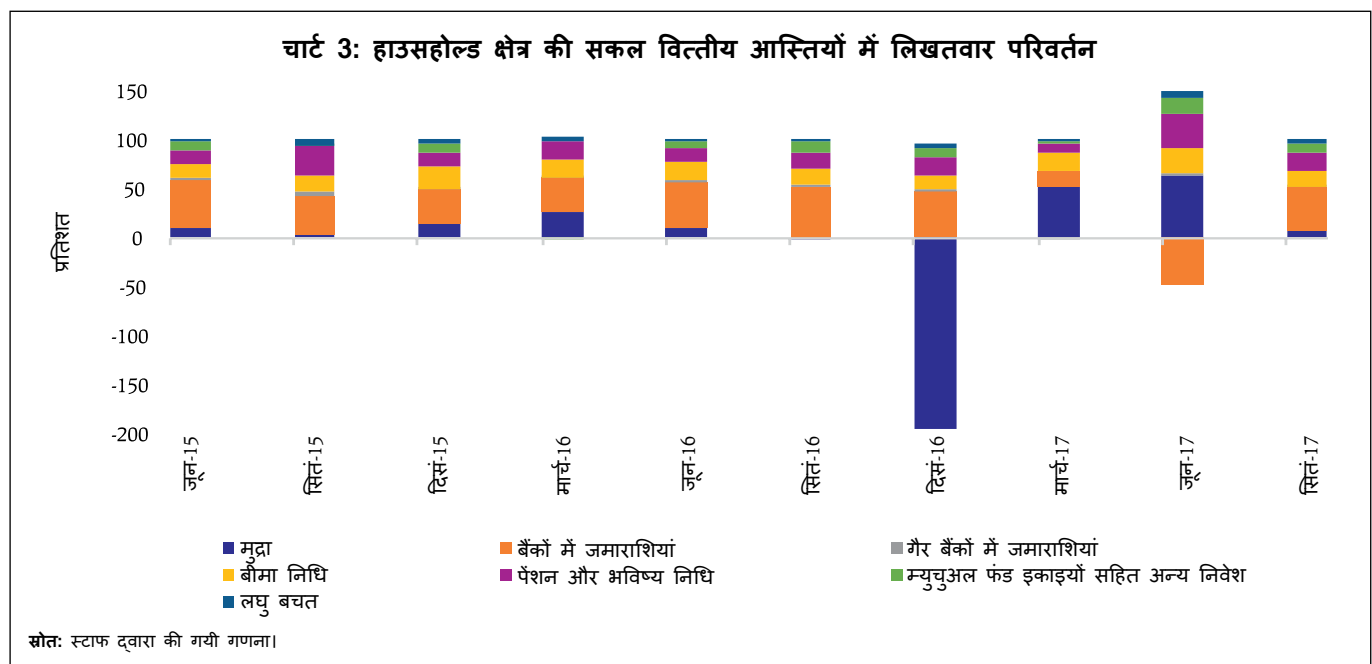
जमा अभी भी प्रमुख वित्तीय आस्ति बनी हुई है और वर्ष 2017-18 की दूसरी तिमाही की समाप्ति पर वाणिज्यिक बैंकों में बकाया जमाराशि की हिस्सेदारी अधिकतम है और इसके बाद बीमा निधि और फिर नकदी का स्थान आता है (चार्ट 2)।

बैंकों और गैर बैंकिंग इकाइयों में कुल जमाराशि 2016 की दूसरी तिमाही में बढ़कर जीडीपी के 8.6 प्रतिशत तक पहुँच गई जबकि उससे पहले की तिमाही में यह 8.1 प्रतिशत थी और ऐसा संभवतः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग (सीपीसी) की वज़ह से वेतन और पेन्शन में हुई वृद्धि तथा आय घोषणा योजना के तहत बड़ी मात्रा में आयी जमाराशि के कारण हुआ।

आस्तियों के लिखतवार विश्लेषण से यह पता चलता है कि विमुद्रीकरण के चलते हाउसहोल्ड्स की आस्तियों की श्रेणी में काफी बदलाव हुए। वर्ष 2016-17 की तीसरी तिमाही में हाउसहोल्ड्स के पास मौजूद नकदी में तेजी से कमी आयी (चार्ट-3)। नकदी की मात्रा में जैसी कमी देखी गई, जमाराशियों में उसी अनुपात में वृद्धि देखने को नहीं मिली क्योंकि (i) विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) (एफसीएनआरबी) जमाराशियों का मोचन करा लिया गया (ii) विनिर्दिष्ट बैंक नोटों (एसबीएन) का इस्तेमाल ऋणों की

**III. हाउसहोल्ड्स की वित्तीय आस्तियों और देयताओं के लिखत**

नकदी, बैंक जमा, जीवन बीमा निधि, म्यूचुअल फंड, पेंशन और भविष्य निधि जैसी कुछ चुनिंदा लिखतों के रूप में हाउसहोल्ड्स की बकाया वित्तीय आस्तियों<sup>4</sup> में एक रोचक प्रवृत्ति देखने को मिलती है (संलग्नक II, सारणी 3)। बैंक



<sup>4</sup> आंकड़े उपलब्ध न होने के कारण बकाया के आंकड़े केवल कुछ चुनिंदा आस्तियों के लिए दिये गये हैं।

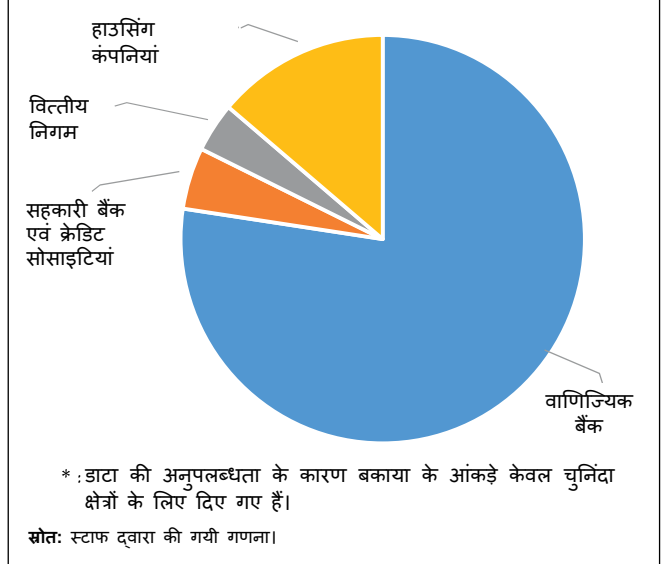
चुकौती में और बकाया बिलों (बिजली संपत्ति कर, टेलीफोन बिल) के भुगतान में किया गया।

वर्ष 2016-17 की चौथी तिमाही में पुनर्मुद्रिकरण के परिणामस्वरूप जनता के पास मौजूद नकदी में उछाल आया और यह तिमाही जीडीपी के 11.1 प्रतिशत तक पहुँच गयी जबकि 2016-17 की तीसरी तिमाही में यह (-) 21.5 प्रतिशत थी। कुल जमा 2016-17 की तीसरी तिमाही के 5.4 प्रतिशत की तुलना में 2016-17 की चौथी तिमाही में घटकर 3.6 प्रतिशत रह गया।

वर्ष 2017-18 की पहली दो तिमाहियों में नकदी के रूप में मौजूद आस्तियाँ अपने सामान्य स्तर पर आती रहीं। 2017-18 की दूसरी तिमाही में जनता के पास मौजूद नकदी बढ़कर जहाँ जीडीपी के 1.0 प्रतिशत तक पहुँच गयी, वहीं कुल जमाराशियां जीडीपी का 5.9 प्रतिशत हो रहीं। 2017-18 के दौरान पेंशन फंड और म्यूचुअल फंड में तेजी का रुख रहा और दूसरी तिमाही में जीडीपी में उनकी हिस्सेदारी क्रमशः 0.6 प्रतिशत और 1.4 प्रतिशत रही।

देयताओं की ओर देखें तो हाउसहोल्ड सेक्टर की वित्तीय देयताओं में सबसे बड़ी हिस्सेदारी सामान्यतया वाणिज्यिक बैंकों से प्राप्त ऋणों और उधार राशियों की होती है (संलग्नक II, सारणी 3)। वर्ष 2017-18 की दूसरी तिमाही की समाप्ति पर वाणिज्यिक बैंको से प्राप्त बकाया ऋणों की हिस्सेदारी सर्वाधिक बनी रही और उसके बाद क्रमशः एचएफसी, एनबीएफसी, सहकारी बैंक और क्रेडिट सोसायटी का स्थान रहा (चार्ट 4)। हाउसहोल्ड्स द्वारा कार्पोरेट सेक्टर

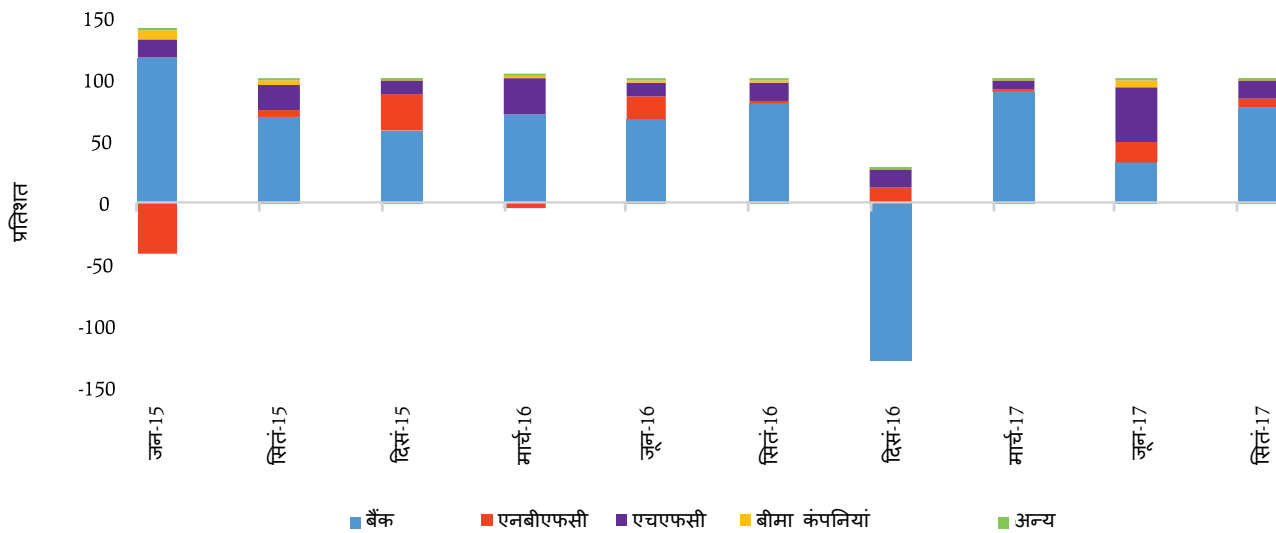
चार्ट 4: वर्ष 2017-18 की दूसरी तिमाही की समाप्ति पर हाउसहोल्ड्स की चुनिंदा वित्तीय देयताओं का संघटन : बकाया की स्थिति



और सरकार से ली गयी उधार राशियों का हिस्सा नगण्य रहा।

विमुद्रिकरण के बाद बैंकों से लिए गए उधार के रूप में मौजूद देयताएं नकारात्मक स्तर तक पहुँच गयीं क्योंकि विमुद्रिकृत करेंसी का इस्तेमाल ऋणों की चुकौती के लिए कर लिया गया (चार्ट-5)। पुनर्मुद्रिकरण के उपरांत बैंकों से लिए जाने वाले उधार में पुन वृद्धि हुई और यह 2016-17

चार्ट 5: हाउसहोल्ड क्षेत्र की सकल वित्तीय देयताओं में संस्थान-वार परिवर्तन



<sup>5</sup> भारिबैं वार्षिक रिपोर्ट 2016-17

की तीसरी तिमाही में जीडीपी के (-) 4.8 प्रतिशत की तुलना में 2016-17 की चौथी तिमाही में बढ़कर जीडीपी का 6.3 प्रतिशत हो गया। सकल वित्तीय देयताओं का प्रवाह 2017-18 की पहली तिमाही के 1.5 प्रतिशत से बढ़कर 2017-18 दूसरी तिमाही में 5.3 प्रतिशत हो गया।

#### IV. निष्कर्ष

निधियों के प्रवाह के दृष्टिकोण से देखने पर और समकक्ष सेक्टरों के वित्तीय विवरणों में उपलब्ध जानकारी के आधार पर वर्ष 2015-16 की पहली तिमाही से 2017-18 की दूसरी तिमाही तक की अवधि के लिए हाउसहोल्ड्स की वित्तीय आस्तियों और देयताओं के तिमाही पूर्वानुमानों में कुछ रोचक बातें देखने को मिलती हैं जो वार्षिक आंकड़ों में दिखाई नहीं पड़तीं। आस्तियों का लिखतवार विश्लेषण इस बात की ओर संकेत करता है कि 2016-17 की तीसरी

तिमाही में हाउसहोल्ड्स की वित्तीय आस्ति पोर्टफोलियो में विमुद्रीकरण के बाद परिवर्तन हुआ। बाद की तिमाहियों में हाउसहोल्ड्स के पास मौजूद आस्तियाँ पुनः अपने सामान्य स्तर पर आती हुईं दिखीं। बकाया के स्तर के आधार पर देखें तो हाउसहोल्ड्स की वित्तीय आस्तियाँ मुख्यतया बैंक जमा के रूप में थीं जिनमें सर्वाधिक क्रेडिट की आपूर्ति वाणिज्यिक बैंको द्वारा की गयी। इसके अलावा, 2017-18 की दूसरी तिमाही में पेंशन फंड और निवेश फंड में वृद्धि हुई।

#### संदर्भ:

ओईसीडी (2017), "अण्डरस्टैंडिंग फाइनेंशियल अकाउंट्स", पीटर वान डी वेन और डैनियल फैनो, ओईसीडी पब्लिशिंग, पेरिस द्वारा संपादित।

रंगराजन, सी. (2009), "रिपोर्ट ऑफ द हाई लेवल कमिटी ऑन एस्टीमेशन ऑफ सेविंग्स एण्ड इनवेस्टमेंट", आरबीआई।

**संलग्नक 1 : आंकड़ों के स्रोत और प्रयुक्त प्रविधि**

सांख्यिकीय दृष्टिकोण से, हाउसहोल्ड्स से संबंधित आंकड़े एक क्षैतिज संतुलन प्रणाली (ओईसीडी 2017) के माध्यम से प्राप्त किए जाते हैं। इस प्रक्रिया में हाउसहोल्ड्स संबंधी आंकड़े संबद्ध क्षेत्रों में उपलब्ध जानकारी पर आधारित होते हैं। उदाहरण के लिए हाउसहोल्ड्स की ऋण देयताओं से संबंधित आंकड़े वाणिज्यिक बैंकों, एनबीएफसी, बीमा कंपनियों, सामान्य सरकारी क्षेत्र और गैर वित्तीय निकायों जैसे क्षेत्रों के तुलन-पत्रों में उपलब्ध जानकारी से प्राप्त किए जाते हैं (टेबल ए)। हाउसहोल्ड्स के सर्वेक्षणों से नियमित अंतराल पर आवश्यक आंकड़े उपलब्ध न हो पाने से और पर्याप्त कवरेज के अभाव के कारण सामान्य रूप से यही प्रक्रिया सभी देशों द्वारा अपनायी जाती है। जैसा कि ओईसीडी ने बताया है, “सर्वेक्षणों के द्वारा हाउसहोल्ड्स के वित्तीय और गैर वित्तीय व्यवहार के संबंध में निकाले जाने वाले निष्कर्ष सटीक नहीं होते, जबकि संबंधित पार्टियों से प्राप्त जानकारी प्रायः सुपरिभाषित और सही पाया गया है” (ओईसीडी 2017)।

सारणी ए: वित्तीय आस्तियों और देयताओं के लिए डाट स्रोत का सारांश		
वित्तीय आस्तियां		
लिखत	परिभाषा	आस्तियां
मुद्रा	भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा मुद्रा जारी की जाती है	रंगराजन (2009) के बाद से अनुमानित अवशिष्ट मर्दे।
जमाराशियां	चालू, बचत और मीयादी जमाराशियां चाहे उनकी परिपक्वता अवधि कुछ भी हो	वाणिज्य बैंकों, सहकारी बैंकों, गैर बैंक वित्तीय संस्थाएं, एचएफसीएस आदि. से प्रतिरूप डाटा
ऋण प्रतिभूतियां, सूचीबद्ध शेयर, म्यूचुअल फंड यूनिट	पब्लिक इश्यू के माध्यम से वित्तीय और गैर वित्तीय निगमों द्वारा जारी किए गए शेयर, वित्तीय और गैर-वित्तीय कॉरपोरेट द्वारा जनता को जारी किए गए डिबेंचर, सरकारी बान्ड, खज़ाना सिक्यूरिटीज, ऋण सिक्यूरिटीज से संबंधित वाणिज्यिक कागजात।	भारतीय रिज़र्व बैंक और सेबी की रिपोर्टें, विवरण पुस्तिकाएं और निर्गम से संबंधित दस्तावेज।
जीवन बीमा निधियां	व्यक्तिगत जीवन बीमा पॉलिसियों से संबंधित हकदारों के लिए बीमाकिक रिज़र्व और अन्य तकनीकी रिज़र्व।	बीमा कंपनियों और जनता के जानकारी हेतु जारी विवरणियों से प्राप्त डाटा।
पेंशन / भविष्य निधियां	सरकारी क्षेत्र और गैर सरकारी क्षेत्र के कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति जमा निधि संबंधित लाभ प्राप्त करने हेतु पात्रता।	सरकारी बजट दस्तावेज, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण तथा अन्य पेंशन भविष्य निधि ट्रस्टों की रिपोर्टें ।
देयताएं		
ऋण	वित्तीय संस्थानों अर्थात् वाणिज्य बैंकों, क्रेडिट सोसाइटी, एनबीएफसी, एचएफसी जैसे वित्तीय संस्थानों से लिए गए आवास ऋण, उपभोक्ता ऋण, फसल ऋण और कारोबार ऋण।	भारतीय रिज़र्व बैंक और राष्ट्रीय आवास बैंक की विभिन्न वार्षिक और तिमाही रिपोर्टों में दर्ज की गई संबंधित पक्षों के बारे में जानकारी।
व्यापार ऋण	निवल व्यापारिक देयराशियां	गैर वित्तीय कारपोरेट क्षेत्र की रिपोर्टें
<b>टिप्पणियां:-</b> उपर्युक्त लिखतों के अतिरिक्त, भारतीय हाउसहोल्ड्स के पास उनकी स्वयं की वित्तीय आस्तियां हो सकती हैं जैसे- वित्तीय डेरिवेटिव्स, व्यापारिक संबंधियों को व्यापार ऋण; और वित्तीय देयताएं, जैसे- गैर कारपोरेट क्षेत्र से व्यापार ऋण। हमने डाटा अभाव के कारण इन लिखतों पर चर्चा नहीं की है।		

परिशिष्ट II

सारणी 1: हाउसहोल्ड क्षेत्र द्वारा वित्तीय आस्तियों के रूप में की गयी बचत

(तिमाही जीडीपी के प्रतिशत के रूप में)

मद	2015-16				2016-17				2017-18	
	ति1	ति2	ति3	ति4	ति1	ति2	ति3	ति4	ति1	ति2
सकल वित्तीय आस्तियां	15.8	7.0	12.6	9.6	16.7	16.0	-11.0	21.8	7.3	13.6
जिनमें से:										
1. कुल जमाराशियां (ए)+(बी)	8.2	3.1	4.4	3.4	8.1	8.6	5.4	3.6	-3.4	5.9
(ए) बैंक जमाराशियां	7.9	2.8	4.2	3.4	7.8	8.4	5.2	3.6	-3.6	5.8
i. वाणिज्यिक बैंकों में जमाराशियां	7.4	2.7	3.7	3.0	6.9	8.2	4.8	3.3	-3.3	5.7
ii. सहकारी बैंक	0.5	0.1	0.5	0.4	0.9	0.2	0.4	0.3	-0.3	0.2
(ख) गैर बैंक जमाराशियां	0.3	0.3	0.2	0.0	0.3	0.2	0.2	0.0	0.2	0.0
2. जीवन बीमा निधियां	2.3	1.2	2.8	1.6	3.0	2.8	1.4	4.2	2.0	2.4
3. भविष्य निधि और पेंशन निधियां (पीपीएफ सहित)	2.0	2.0	1.9	1.9	2.3	2.3	2.2	2.1	2.4	2.3
4. करेंसी	1.3	0.1	1.8	2.5	1.7	-0.1	-21.5	11.1	4.6	1.0
5. निवेश जिनमें से	1.5	0.1	1.3	-0.2	1.2	2.1	1.0	0.4	1.2	1.4
i. म्यूचुअल फंड	1.2	-0.1	1.1	-0.3	1.1	1.7	0.9	0.3	1.1	1.2
6. लघु बचतें (पीपीएफ को छोड़कर)	0.4	0.4	0.4	0.4	0.4	0.4	0.4	0.4	0.5	0.5

स्रोत: स्टाफ द्वारा की गयी गणना।

सारणी 2: हाउसहोल्ड क्षेत्र की देयताएं

(तिमाही जीडीपी के प्रतिशत के रूप में)

मद	2015-16				2016-17				2017-18	
	ति1	ति2	ति3	ति4	ति1	ति2	ति3	ति4	ति1	ति2
सकल वित्तीय देयताएं	1.3	1.9	5.4	2.7	2.7	3.6	-3.7	7.0	1.5	5.3
ऋण (उधारराशियों) के स्रोत										
ए. वित्तीय निगम (i+ii)	1.3	1.9	5.4	2.7	2.7	3.6	-3.7	7.0	1.5	5.3
(i) बैंकिंग क्षेत्र	1.5	1.3	3.1	1.9	1.9	2.9	-4.8	6.3	0.5	4.1
जिसमें से										
वाणिज्यिक बैंक	1.3	1.3	3.0	2.0	1.4	2.9	-4.6	6.2	0.5	4.1
(ii) अन्य वित्तीय संस्थान	-0.3	0.6	2.3	0.7	0.9	0.7	1.0	0.6	1.0	1.2
(ए) वित्तीय निगम	-0.5	0.1	1.6	-0.1	0.5	0.1	0.5	0.1	0.2	0.3
(बी) आवास वित्त कंपनियां	0.2	0.4	0.6	0.8	0.3	0.6	0.6	0.5	0.7	0.8
(सी) बीमा कंपनियां	0.1	0.1	0.1	0.1	0.1	0.1	0.0	0.0	0.1	0.1
बी. गैर वित्तीय निगम (निजी कारपोरेट कारोबार)*	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
सी. सामान्य सरकार*	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0

\*: नगण्य।

स्रोत: स्टाफ द्वारा की गयी गणना।

## सारणी 3: हाउसहोल्ड्स की आस्तियों और देयताओं में बकाया की स्थिति : चुनिंदा संकेतक

(बिलियन ₹ में)

मद	2015-16				2016-17				2017-18	
	ति1	ति2	ति3	ति4	ति1	ति2	ति3	ति4	ति1	ति2
<b>सकल वित्तीय आस्तियां</b>										
<b>जमाराशियां</b>										
<i>जिनमें से :</i>										
<b>ए. बैंक जमाराशियां (i+ii)</b>	58,292.0	59,339.0	60,903.7	62,245.7	65,535.9	69,121.7	71,610.0	73,536.9	72,120.3	74,509.6
i. वाणिज्यिक बैंकों में जमाराशियां	53,786.4	54,786.6	56,164.2	57,363.1	60,315.1	63,831.6	66,169.2	67,988.2	66,688.1	68,998.9
ii. सहकारी बैंक और क्रेडिट सोसाइटियां	4,505.6	4,552.4	4,739.6	4,882.6	5,220.9	5,290.1	5,440.8	5,548.6	5,432.2	5,510.7
<b>बी. जीवन बीमा निधियां</b>	<b>24,797.7</b>	<b>25,042.9</b>	<b>25,830.8</b>	<b>26,262.3</b>	<b>27,355.8</b>	<b>28,403.5</b>	<b>28,973.2</b>	<b>30,725.4</b>	<b>31,520.0</b>	<b>32,517.5</b>
<b>सी. मुद्रा</b>	<b>13,594.4</b>	<b>13,623.4</b>	<b>14,247.6</b>	<b>15,173.9</b>	<b>15,788.0</b>	<b>15,736.5</b>	<b>7,465.7</b>	<b>12,009.2</b>	<b>13,800.2</b>	<b>14,221.8</b>
<b>डी. भविष्य निधियां</b>	<b>10,645.4</b>	<b>10,978.1</b>	<b>11,310.8</b>	<b>11,643.5</b>	<b>12,039.1</b>	<b>12,434.6</b>	<b>12,830.2</b>	<b>13,225.8</b>	<b>13,624.5</b>	<b>13,624.5</b>
<b>ई. म्यूचुअल फंड</b>	<b>11,732.9</b>	<b>11,873.1</b>	<b>12,748.3</b>	<b>12,328.2</b>	<b>13,807.5</b>	<b>15,800.8</b>	<b>16,463.4</b>	<b>17,546.2</b>	<b>18,962.9</b>	<b>20,403.0</b>
<b>कुल (ए+बी+सी+डी+ई)</b>	<b>119,062.5</b>	<b>120,856.6</b>	<b>125,041.3</b>	<b>127,653.6</b>	<b>134,526.2</b>	<b>141,497.1</b>	<b>137,342.5</b>	<b>147,043.4</b>	<b>150,027.9</b>	<b>155,276.4</b>
<b>जीडीपी के प्रतिशत के रूप में</b>										
<b>ए. बैंक जमाराशियां (i+ii)</b>	<b>45.0</b>	<b>44.2</b>	<b>43.8</b>	<b>42.1</b>	<b>45.5</b>	<b>46.5</b>	<b>46.5</b>	<b>45.0</b>	<b>45.9</b>	<b>45.6</b>
i. वाणिज्यिक बैंकों में जमाराशियां	41.5	40.8	40.4	38.8	41.9	43.0	43.0	41.6	42.4	42.2
ii. सहकारी बैंक और क्रेडिट सोसाइटियां	3.5	3.4	3.4	3.3	3.6	3.6	3.5	3.4	3.5	3.4
<b>बी. जीवन बीमा निधियां</b>	<b>19.1</b>	<b>18.7</b>	<b>18.6</b>	<b>17.8</b>	<b>19.0</b>	<b>19.1</b>	<b>18.8</b>	<b>18.8</b>	<b>20.1</b>	<b>19.9</b>
<b>सी. मुद्रा</b>	<b>10.5</b>	<b>10.2</b>	<b>10.3</b>	<b>10.3</b>	<b>11.0</b>	<b>10.6</b>	<b>4.8</b>	<b>7.3</b>	<b>8.8</b>	<b>8.7</b>
<b>डी. भविष्य निधियां</b>	<b>8.2</b>	<b>8.2</b>	<b>8.1</b>	<b>7.9</b>	<b>8.4</b>	<b>8.4</b>	<b>8.3</b>	<b>8.1</b>	<b>8.7</b>	<b>8.3</b>
<b>ई. म्यूचुअल फंड</b>	<b>9.0</b>	<b>8.8</b>	<b>9.2</b>	<b>8.3</b>	<b>9.6</b>	<b>10.6</b>	<b>10.7</b>	<b>10.7</b>	<b>12.1</b>	<b>12.5</b>
<b>कुल</b>	<b>91.8</b>	<b>90.1</b>	<b>90.0</b>	<b>86.4</b>	<b>93.5</b>	<b>95.2</b>	<b>89.2</b>	<b>89.9</b>	<b>95.4</b>	<b>95.0</b>
<b>कुल वित्तीय देयताएं</b>										
<b>ऋण (उधारराशियों) के स्रोत</b>										
<b>ए. वित्तीय कारपोरेशन (i+ii)</b>	<b>33,424.1</b>	<b>34,615.9</b>	<b>37,023.8</b>	<b>38,554.1</b>	<b>40,162.2</b>	<b>42,140.4</b>	<b>41,350.2</b>	<b>44,836.1</b>	<b>45,382.6</b>	<b>47,522.7</b>
(i) बैंकिंग क्षेत्र	<b>28,805.0</b>	<b>29,585.0</b>	<b>30,998.8</b>	<b>32,043.1</b>	<b>33,386.2</b>	<b>35,137.1</b>	<b>33,970.4</b>	<b>37,227.9</b>	<b>37,419.1</b>	<b>39,103.9</b>
<i>जिसमें से</i>										
i. वाणिज्यिक बैंक	26,718.9	27,472.0	28,832.3	29,890.3	31,061.9	32,811.2	31,705.5	34,911.9	35,104.6	36,771.1
ii. सहकारी बैंक और क्रेडिट सोसायटी	2,075.3	2,102.3	2,155.8	2,142.2	2,313.7	2,315.4	2,254.4	2,305.5	2,304.1	2,322.5
(ii) अन्य वित्तीय संस्थान	<b>4,619.1</b>	<b>5,030.9</b>	<b>6,025.0</b>	<b>6,511.0</b>	<b>6,776.0</b>	<b>7,003.3</b>	<b>7,379.8</b>	<b>7,608.3</b>	<b>7,963.6</b>	<b>8,418.8</b>
<i>जिनमें से</i>										
i. वित्तीय निगम	270.5	497.3	1,239.9	1,385.1	1,506.4	1,488.0	1,622.5	1,623.7	1,719.8	1,855.5
ii. आवास वित्त कंपनियां	4,348.7	4,533.6	4,785.1	5,125.9	5,269.6	5,515.2	5,757.3	5,984.5	6,243.8	6,563.3
<b>जीडीपी का प्रतिशत</b>										
<b>ए. वित्तीय कारपोरेशन (i+ii)</b>	<b>25.8</b>	<b>25.8</b>	<b>26.6</b>	<b>26.1</b>	<b>27.9</b>	<b>28.4</b>	<b>26.8</b>	<b>27.4</b>	<b>28.9</b>	<b>29.1</b>
(i) बैंकिंग क्षेत्र	<b>22.2</b>	<b>22.1</b>	<b>22.3</b>	<b>21.7</b>	<b>23.2</b>	<b>23.6</b>	<b>22.1</b>	<b>22.8</b>	<b>23.8</b>	<b>23.9</b>
<i>जिसमें से</i>										
i. वाणिज्यिक बैंक	20.6	20.5	20.7	20.2	21.6	22.1	20.6	21.3	22.3	22.5
ii. सहकारी बैंक और क्रेडिट सोसायटी	1.6	1.6	1.6	1.5	1.6	1.6	1.5	1.4	1.5	1.4
(ii) अन्य वित्तीय संस्थान	<b>3.6</b>	<b>3.7</b>	<b>4.3</b>	<b>4.4</b>	<b>4.7</b>	<b>4.7</b>	<b>4.8</b>	<b>4.7</b>	<b>5.1</b>	<b>5.1</b>
<i>जिनमें से</i>										
i. वित्तीय निगम	0.2	0.4	0.9	0.9	1.0	1.0	1.1	1.0	1.1	1.1
ii. आवास वित्त कंपनियां	3.4	3.4	3.4	3.5	3.7	3.7	3.7	3.7	4.0	4.0

टिप्पणी: सामान्य सरकारी क्षेत्र के कर्मचारियों के भविष्य निधि का बकाया डाटा उपलब्ध नहीं है। अतः बकाया डाटा ईपीएफओ तथा कुछ सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की सेवानिवृत्ति निधियों से संबंधित है।

स्रोत: स्टाफ द्वारा की गयी गणना।